

देहली प्रदेश

Phones : [279055
277047
दूरभाष: [277940

DELHI PRADESH

ग्रामीण श्रमजीवी यूनियन (पंजीकृत)

GRAMEEN SHRAMJEEVI UNION (Regd.)

४/७, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-११०००२

4/7, Asaf Ali Road, NEW DELHI-110002

क्रमांक

Ref. No

दिनांक 9/12/82
Dated

MEMORANDUM SUBMITTED TO SHRI JAG MOHAN, LT. GOVERNOR, UNION TERRITORY OF DELHI, BY THE REPRESENTATIVES OF GRAMEEN SHRAMJEEVI UNION (REGD) REGARDING FAILURE OF THE ADMINISTRATION TO ENFORCE THE RIGHT OF THE HARIJANS AND LANDLESS RURAL TOILERS TO SURPLUS GRAM SABHA LANDS.

@@@

Harijans and other sections of the landless toiling population in some sectors of rural Delhi were allotted surplus Gram Sabha agricultural lands after considerable efforts during the last few years. These include allotments made under the 20-Point Programme of the Prime Minister, Shrimati Indira Gandhi. The allottees have been tilling these lands for a number of years without any break. In many cases, however, vested interests in land have been conspiring with the junior Revenue officials like Patwaris, etc. and falsifying the land records so as to deprive these allottees of Bhumidari rights permissible to them under the provisions of the Delhi Land Reforms Act, 1954. Following agitation by the Delhi Grameen Shramjeevi Union against these malpractices, the Lt. Governor, Shri Jag Mohan, had assured the representatives of the Union (vide proceedings of the meeting dated 22.4.1980) that all such allottees will be given Bhumidari rights if and when they apply for conferment of such rights. The Union was also assured that the process of distribution of surplus Gram Sabha lands to the landless, including Harijans and backward sections of rural toilers will be continued in future also. Following this commitment a large number of allottees entitled to Bhumidari rights submitted applications to the Dy. Commissioner, Delhi, for securing ~~applications~~ such rights. Despite repeated representations, deputations, etc. to the officials concerned, little progress has so far been made in awarding the desired relief to the allottees. It is apparent that the vested interests, rich landlords, etc., are thwarting the process of conferment of Bhumidari rights by the SDMs. In some cases, the SDMs concerned are going about the business in a very casual manner and engendering conflicts which help the vested interests. Besides this, the process of distribution of surplus Gram Sabha land to the landless has virtually come to a stand-still, notwithstanding repeated announcements by the Administration to the contrary.

Relevant details of the applications pending disposal for conferment of Bhumidari rights, are furnished in the enclosure.

Contd.....2/.....

देहली प्रदेश

Phones : [279055
277047
दूरभाष: [277940

DELHI PRADESH

ग्रामीण श्रमजोवी यूनियन (पंजीकृत)

GRAMEEN SHRAMJEEVI UNION (Regd.)

४/७, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-११०००२

4/7, Asaf Ali Road, NEW DELHI-110002

क्रमांक

Ref. No

दिनांक.....

Dated

! "

- 2 -

The deputationists request the Lt. Governor kindly to give his close personal attention to the matter which is now giving rise to widespread discontent among tens of thousand Harijan & Landless rural families and threatening to generate social & economic conflicts on a massive scale.

In the end the deputationists would like to draw the attention of the Lt. Governor to a representation recently submitted to him by the Harijans of village Ladpur, complaining against terrorisation by the police at the bidding of the landlords of the village who have been trying to evict Harijan families from house-sites under their legal occupation for generations. The deputationists pray that the police be forthwith interested to refrain from abetting the landlords in their criminal activities.

(B.D. JOSHI)

President

for and on behalf of the
Grameen Shramjeevi Union (R)

देहली प्रदेश

Phones : 279055
277047
दूरभाष : 277940

DELHI PRADESH

ग्रामीण श्रमजीवी यूनियन (पंजीकृत)

GRAMEEN SHRAMJEEVI UNION (Regd.)

4/7, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002

4/7, Asaf Ali Road, NEW DELHI-110002

क्रमांक.....

Ref No

दिनांक 14/11/82

Dated

XXXXXXXXXXXXXXXXXX
४ प्रस्ताव न० २ ४
XXXXXXXXXXXXXXXXXX

देहली प्रदेश के ग्रामीण श्रम जीवी वर्ग का यह सम्मेलन इस बात पर गहरा रोष तथा अस्तौष प्रकट करता है कि यूनियन द्वारा लगातार आन्दोलन के फलस्वरूप पिछले तीन वर्षों में हमारी मांगों के प्रति दिये गये सरकारी आश्वासन अधिकतर खोखले सिद्ध हो रहे हैं। और बार-बार याद दिलाने के बाद भी उप-राज्यपाल सहित प्रशासन के सभी उच्च अधिकारी अपने आश्वासन पूरे नहीं कर रहे हैं। भूमि वितरण संबंधी बीस-सूत्री प्रोग्राम की पूर्ति का सरासर झूठा टंडोरा पीटा जा रहा है। हालांकि वास्तविकता यह है कि देहात में कहर-बैधी जमींदारों और संबंधित नौकर-शाही की अपवित्र सांठ-गांठ के परिणाम-स्वरूप हरिजनों और पिछड़े वर्ग के लोगों के जेब-काहत ज़मीनों से भी उन्हें सरासर गैर कानूनी तथा अनुचित तरीके से बे दखल किया जा रहा है। समाज-विरोधी तत्व, झूठ सरकारी अफसरों, पुलिस आदि के बल बूते पर हर प्रकार के उत्पात खड़े करके आम देहाती जनता में आतंक फैला कर कहर-बैधी जमींदारों के स्वार्थों को पूरा करने के लिये पूरी तरह मैदान में उतरे हुये हैं। चकबंदी की आड़ में छोटी जोत वाले किसानों तथा ग्राम सभाओं की हजारों एकड़ ज़मीन को झूटाचारी अफसर-शाही ने अनाधिकृत तत्वों के सिपुर्द कर दिया है। इस प्रकार ग्राम सभा तथा सीकिंग की ज़मीन हड़पे जाने के कारण हजारों भूमिहीन परिवारों को सदा के लिये भूमि से वंचित कर दिया गया है। जो थोड़ी बहुत ज़मीन^{हरिजन} तथा अन्न दलित तबके लगातार दसियों वर्षों से जोत-वो रहे थे, उन पर उन्हें भूमिधारी अधिकार देने में भी प्रशासन लगातार टाल-मटोल करता आ रहा है। और इस प्रकार भूमि सुधार संबंधी कानूनों को भी^{खुल्ला} तौड़ा जा रहा है।

इन हालात में यह सम्मेलन तय करता है कि देहाती श्रम-जीवियों की नीचे दर्ज मांगों को मनवाने के लिये राज्य-व्यापी स्तर पर आन्दोलन संगठित किया जाय। और यूनियन के नव-निर्वाचित अधिकारी तुरंत इस दिशा में ठोस कदम उठाएँ।

सम्मेलन तय करता है कि माह फरवरी¹⁹⁸³ के प्रथम सप्ताह में एक दिन निश्चित करके भारत के प्रधानमंत्री के निवास-स्थान पर एक विशाल रैली

ग्रामीण श्रमजीवी यूनियन (पंजीकृत)

GRAMEEN SHRAMJEEVI UNION (Regd.)

4/7, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली-110002

4/7, Asaf Ali Road, NEW DELHI-110002

क्रमांक.....

दिनांक.....

Ref No

Dated

- 2 -

का आयोजन किया जाय । जितने हर ग्राम से कम से कम बीस व्यक्ति शामिल करने का निशाना तय किया जाता है । इस रैली के बाद राजधानी में भूमिहीनों के "जेल-भरों" आन्दोलन संगठित करने की तैयारी आरम्भ कर दी जाय । और इन आन्दोलनों की असरदार तरीके से तैयारी करने के हेतु 25 हजार रु० का विशेष फंड स्फुटित किया जाय ।

भूमि

1. समूचे देहली देहात में प्रत्येक भूमिहीन और हरिजन परिवार को काश्त करने और मकान बनाने लायक पर्याप्त ज़मीन दी जाये ।
2. ग्राम सभाओं की ज़मीनों पर से फ़नी ज़मींदारों के गैर-कानूनी कब्जे तुरन्त खाली कराया जाये और इत ज़मीन जो ग्रामीण भूमिहीनों में बांटा जाये ।
3. भूमिहीनों में बांटी जाने वाली ज़मीन पर पांच वर्ष के पट्टे का सिस्टम समाप्त करके भूमिहीनों को पूर्ण मालिकाना अधिकार दिया जाये ।
4. छोटी जोत वाले गरीब किसानों, भूमिहीनों और हरिजनों आदि पर समस्त सरकारी कर्जे रद्द किये जाये और इन्हें पर्याप्त आर्थिक सहायता देकर उनकी ज़मीनों की डुआई, लिंचाई आदि के लिए अलग से ट्रयब-वेल और ट्रैक्टर आदि का इन्तजाम किया जाये ।
5. प्रत्येक बेरोजगार को रोजगार दिया जाये नहीं तो बेकारी का भत्ता दिया जाये । ५० बंगाल और केरल की वामपंथी सरकारों ने 60 वर्ष से ऊपर आयु वाले ग्रामीणों के लिए ^{प्रकार} जित पेंशन लागू की है, उसे यहाँ भी लागू किया जाये और पेंशन की रकम कम से कम 100 रुपये प्रति माह होनी चाहिए ।
6. ग्राम सभा की अलाट की गई भूमि पर भूमिधरों के अधिकारों के लिए जो सेकड़ों अर्जिया यूनियन को मार्क्स डिप्टी कमिश्नर महोदय को भेजी गई है उन पर तुरन्त कार्रवाई करके प्रार्थियों को भूमिधरी अधिकार दिया जाये । और गरीब अलाटियों के साथ जुस्ट पटवारियों और गिर्दावरीं द्वारा की जाने वाली धांधली को समाप्त किया जाये । गिर्दावरीं पगैरह की उचित देख-रेख और जांच-पड़ताल के लिए हर सर्कल में ग्रामीणों

देहली प्रदेश

Phones : [279055
277047
दूरभाष : 277940

DELHI PRADESH

ग्रामीण श्रमजीवी यूनियन (पंजीकृत)

GRAMEEN SHRAMJEEVI UNION (Regd.)

4/7, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002

4/7, Asaf Ali Road, NEW DELHI-110002

क्रमांक.....

Ref No

दिनांक.....

Dated

- 3 -

की कमेटियाँ बनाई जायें जिनमें यूनियन को पूरा-पूरा प्रतिनिधित्व
दिया जाये ।

देहली प्रदेश

Phones : 279055
277047
दूरभाष : 277940

DELHI PRADESH

ग्रामीण श्रमजीवी यूनियन (पंजीकृत)

GRAMEEN SHRAMJEEVI UNION (Regd.)

4/7, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002

4/7, Asaf Ali Road, NEW DELHI-110002

क्रमांक.....

Ref No

दिनांक.....

Dated

XXXXXXXXXXXXXXXXXX
शोक प्रस्ताव
XXXXXXXXXXXXXXXXXX

देहली प्रदेश के ग्रामीण श्रमजीवी वर्ग का यह वार्षिक सम्मेलन सोवियत संघ के महान् नेता का० ब्रिजेव के अकस्मात् निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। और वहाँ की कम्युनिस्ट पार्टी, सरकार तथा जनगण को शोक स्तब्ध करता है।

का० ब्रिजेव जन्म भर विश्व भर के जनगण के हितों के प्रबल समर्थक, राष्ट्रों की स्वतंत्रता, सार्वभौमिकता तथा आर्थिक व सामाजिक प्रगति के अडिग अग्रदूत और विश्व सर्वहारा वर्ग, दलित मानवता के हितों के लिये निरंतर संघर्ष-रत रहे। भारत के वह सच्चे मित्र थे।

शोषक वर्ग के हितों में विश्व भर की जनता को नाभिकीय युद्ध की भयानक मद्दती में झोंकने के अमरीकी साम्राज के नापाक इरादों के रास्ते में वह दीवार की तरह खड़े रहे। और साम्राज्यी लूट-खसोट, हिंसा तथा जत्याचारों के विरुद्ध विश्व की आम जनता तथा राष्ट्रों का विशाल शांति मोर्चा खड़ा करने में उन्होंने ऐतिहासिक भूमिका अदा की।

हम मानवता के इस महान् मित्र के सम्मान में अपना झंडा झुकाते हैं।

देहली प्रदेश

Phones : 279055
277047
दूरभाष : 277940

DELHI PRADESH

ग्रामीण श्रमजीवी यूनियन (पंजीकृत)

GRAMEEN SHRAMJEEVI UNION (Regd.)

4/7, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली-110002

4/7, Asaf Ali Road, NEW DELHI-110002

क्रमांक.....

Ref No

दिनांक 16.11.1982

Dated

For favour of publication

Agricultural workers to stage rally and

Satyagraha !

Protest against large-scale fraud in

land-distribution !

--

Over 500 delegates assembled at the 9th annual Conference of the Delhi Pradesh Grameen Shramjeevi Union (Regd.) held in Najafgarh on the occasion of birthday celebrations of the late Pt. Jawahar Lal Nehru, unanimously adopted a resolution condemning fraudulent manner in which the Delhi Administration has been implementing the 20-point programme of the Prime Minister relating to distribution of agricultural land and house-sites to Harijans and landless workers in rural Delhi.

Taking stock of the overall situation with regard to the plight of the Harijans and landless workers, the resolution concludes that all claims of the Delhi Administration regarding distribution of surplus agricultural lands and house-sites to the landless, are highly exaggerated. Infact in recent months rural vested interests in league with corrupt revenue officials, have been able to dispossess quite a few Harijan families from lands cultivated by them for decades.

The resolution calls upon the rural toilers to

देहली प्रदेश

Phones : 279055
277047
दूरभाष : 277940

DELHI PRADESH

ग्रामीण श्रमजीवी यूनियन (पंजीकृत)

GRAMEEN SHRAMJEEVI UNION (Regd.)

4/7, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002

4/7, Asaf Ali Road, NEW DELHI-110002

क्रमांक.....

दिनांक.....

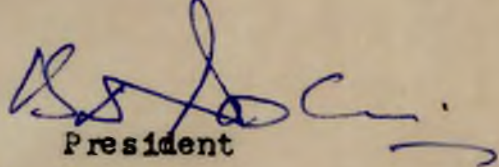
Ref No

Dated

-2-

prepare in a big way to unleash a mass-movement, including Satyagraha, to compel the Delhi Administration to accept their 6-point charter of demands, which besides asking for thorough distribution of land to Harijans and rural landless, demands immediate conferment of Bhoomidhari rights under the Delhi Land Reforms Act, 1954, to the rural toilers on lands under their physical occupation.

By another resolution the Conference expressed shock and deep grief over the sudden demise of President Breznev, whom it described as the most outstanding leader and real friend of humanity in the present epoch.


President

देहली प्रदेश

Phones : 279055
277047
दूरभाष : 277940

DELHI PRADESH

ग्रामीण श्रमजीवी यूनियन (पंजीकृत)

GRAMEEN SHRAMJEEVI UNION (Regd.)

4/7, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002

4/7, Asaf Ali Road, NEW DELHI-110002

क्रमांक.....

दिनांक.....

Ref No

Dated

President	Com. B.D. Joshi
Working President	Com. Dalip Singh
General Secretary	Com. Kanshi Ram
Secretary	1. Naval Singh 2. Brahm Prakash 3. Attar Singh
Treasureer	Chander Prakash ✓
Vice President	1. Makhan Lal 2. Gopi Ram 3. ^{Baru} Baharu Ram (Mundka) 4. Umrao Singh 5. ^B Bhunde Ram
Working Committee	1. Hazari Lal 2. Sudan Sudhan 3. Ram Mehar 4. Lalu 5. Nand Lal 6. Subhe 7. Charan Singh 8. Tara Chand 9. Tek Chand 10. Kishan Lal - (Roshanpura) 11. Jairam - (Mukhbailpur) 12. Sunita 13. Bakhtawar - Bakhtawar 14. D.R. Sachdeva 15. Nanda

देहली प्रदेश

Phones : [279055
277047
दूरभाष : 277940

DELHI PRADESH

ग्रामीण श्रमजीवी यूनियन (पंजीकृत)

GRAMEEN SHRAMJEEVI UNION (Regd.)

4/7, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002

4/7, Asaf Ali Road, NEW DELHI-110002

क्रमांक.....

Ref No

दिनांक.....

Dated

To

The Dy. Commissioner of Police,
West Distt.,
Tilak Nagar,
New Delhi.

Dear Sir,

I am desired to report that the Harijans of village Ladpur are being illegally threatened, and physically intimidated by a section of casteist landlords led by the present Pradhan, Shri Priyavart. The said Pradhan, in connivance with elements of the local police, has been resorting to palpably unlawful devices, including physical coercion, threats to life, etc. against the Harijans, with the object of dispossessing the latter of the Gram Sabha lands lawfully occupied by them, and appropriating the same themselves. The matter has already been represented to the Lt. Governor, Shri Jag Mohan, who is reported to be looking into the matter.

In the meantime, the landlords have intensified their unlawful and violent activities. In one of the latest incidents reported to us by the oppressed Harijans of the village, some miscreants are reported to have set fire to the Jhuggi of one Shri Amar Singh, s/o Shri Sheo Ram, (Harijan) on the night of the 27th November, 1982. Shri Amar Singh with his entire family consisting of seven members, narrowly escaped death since they had just gone to the bed when the reported incendiaryism took place. They ran out of the burning jhuggi and are said to have spotted the clulprits running away from the scene.

The victim & other Harijans in village strongly suspect that the Pradhan or his henchmen are responsible

देहली प्रदेश

Phones : 279055
277047
दूरभाष : 277940

DELHI PRADESH

ग्रामीण श्रमजीवी यूनियन (पंजीकृत)

GRAMEEN SHRAMJEEVI UNION (Regd.)

4/7, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002

4/7, Asaf Ali Road, NEW DELHI-110002

क्रमांक.....

दिनांक.....

Ref No

for this

- 2 -

Dated

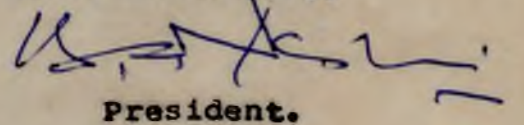
outrage.

What is even more regrettable, however, the local police is alleged to be favouring the anti-Harijan landlords. It has been represented to us that the concerned Officers in the local police station at first showed reluctance even to record the complaint of the victim, Shri Amar Singh. Ultimately when under pressure from the local Harijans an FIR was registered, no worth-while action has been taken so far to bring the culprits to the book. Despite repeated requests, the complainant has not so far been given a copy of the F.I.R.

It is apparent that the local police is all but conniving at the misdeeds of anti-Harijan elements in the village. This is causing intense resentment and sense of insecurity among the Harijans of the area.

I would request that you will kindly give your personal attention to the matter in order to afford reasonable protection to the Harijans of Ladpur.

Yours faithfully,



President.

Copy forwarded for favour of necessary action to:-

1. The Lt. Governor, Delhi
2. The Union Minister for Home Affairs, New Delhi.
3. The Prime Minister of India, New Delhi.
4. The Commissioner of Scheduled Castes and Scheduled Tribes, Ramkrishanpuram, New Delhi.
5. Dy. Commissioner, Delhi.
6. The General Secretary, All India Khet Mazdoor Union, Ajay Bhawan, New Delhi.